मन्त्रशास्त्रपत्रः

पपर्द्धं०

२०" वैश्वानर

१५९१८

॥श्रीगणेशायनमः।अद्ययोशोंशोंसावो३इमानुकंभुवनासीषधामा।इंद्रश्चविश्वेच
देवो३इमानुकंभुवनासीषधामा।इंद्रश्चविश्वेचदेवो३इमानुकंभुवनासीषधामा।इंद्रश्च
विश्वेचदेवो३यज्ञंचनस्तन्वंचप्रजांचा।आदित्यैरिंद्रःसहचीक्लृपातो३आदित्यैरिंद्रः
सगणोमरुद्भिः।अस्माकंभूत्ववितातनूनो३शोंसावो३हत्वायदेवाअसुरान्यदा
यन्।देवादेवत्वमभिरक्षमाणो३प्रत्यंचमर्कमनयंछचीभिः।आदित्स्वधामिषिरां
पर्यपश्यो३अधावाजंदेवहितंसनेमामदेमशतहिमाःसुवीरो३शोंसावो३अपप्रा
चइंद्रविश्वाँअमित्रान्।अपापाचोअभिभूतेनुदस्वो३अपोदीचोअपशूराधरा
चः।उरौयथातवशर्मन्मदेमो३कुविदंगयवमंतोयवंचित्।यथादांत्यनुपूर्वंवियूयो३ ॥१॥
इहेहैषांकृणुहिभोजनानि।येबर्हिषोनमोवृक्तिंनजग्मो३नहिस्थूर्यृतुथापात
मस्ति।नोतश्रवोविविदेसंगमेषो३गव्यंतइंद्रंसख्यायविप्राः।अश्वायंतोवृषणं
वाजयंतो३युवंसुराममश्विनानमुचावासुरेसचा।विपिपानाशुभस्पतीइंद्रंक

अथ आति गगः। ई ई ई ई ई ई ई ई ई ई ई ई ३ ग दे

मे स्वावितः। २ पुत्रमिव पितरा वश्विनो भा। इंद्रावथुः काव्यै दंसना। भो। रुयस्सुराम व्यपि
बः शचीभिः। सरस्वती त्वा मघवन्नभि। ष्णो। ३ इं ऽः सुत्रामा स्ववाँ अवो भिः। सुमृडी को
भवतु विश्ववेदा। २ बाधतां द्वेषो अभयं कृणोतु। सुवीर्यस्य पतयः स्याम। २ तस्य वयं स
मतौ यज्ञियस्या। अपि भद्रे सौमनसे स्याम। २ स सुत्रामा स्ववाँ इंद्रो अस्मे। आराच्चि
द्द्वेषः सनुतर्युयो [illegible] तो। २ विहि सोतोरसृक्षत नेंद्रं देवममंसत। यत्रा ई ई ई ३ ई ई
ई ई ३ ई ई ई ई ई ३ मद्दृषाकपिरो ३ ई ३ अर्यः पुष्टेषु मत्सखा। विश्वस्मादिंद्र उत्तरः। ३ प
रा इंद्र धावसि वृषाकपेरति व्यथिः। नो अह ई ई ई ३ ई ई ई ई ई ३ ई ई ई ई ई ३ ह प्रविंदसो। ३ ई ३
अन्यत्र सोमपीतये। ई ३ [illegible] मो। देथमदे वो। ३ ई ३ ई था मा दे वा। विश्वस्मादिंद्र उत्तरो। ३
किमयं त्वां वृषाकपिश्चकार हरितो मृगः। यस्मा ई ई ई ३ ई ई ई ई ई ३ ई ई ई ई ई ३ इरस्य
सीदु नो। ३ ई ३ अर्यो वा पुष्टिमद्वसु। ई ई ई ई ३ ई ई ई ई ३ ई ई ई ई ३ मदेथम देवो। ३ ई ३
या मो दैवा। विश्वस्मादिंद्र उत्तरो। ३ यमिमं त्वं वृषाकपिं प्रियमिंद्राभिरक्षसि।
श्वो ई ई ई ३ ई ई ई ई ई ३ ई ई ई ई ई ३ स्य जंभिषदपि कर्णे वराहयुः। ई ई ई ३

३३३३२३३३३२ मदेथमदैवा२३२३थामोदेव। विश्वस्मादिं२३ तरो२ प्रियातष्टानिमेक
पिर्यतकाव्य इ दुषत्। शिरो ३३३२३३३३ ३२३३३३२ नस्यर। विषा३ ३२ नस्यूगं दुष्कृ तेमू।
३३३३२३३३३२३ ३३३२ मदेथमदैवो२३२३थामोदेव। विश्वस्मादिं२३ तरो२ नमस्त्री३
३३३३३३३३३३२३३३३३ ३प्रतिचवी यसो२ ३२ नस्तव
नस्ततरानस्तुथा मुतस्तभुवस्। नमो ३३३२३३३३३३ मदैथमदैवो२३२३थामोदेव। विश्वस्मादि३
यमीयसी। ३३३३२३३३३३३३३३ मदैथमदैवा२३२३थामोदेव। विश्वस्मादि२३
तरो२३ वेदंबसुत्तामिके यथेवांग नविषतिं। नसो३ ३३२ ३३३३२ ३३३३२ नमे
स्त्रं बस[redacted]मो३ ३२ शिरोमिवीव दृष्यतिं। ३३३३२३३३३२३३३३२ मदेथमदैवा
२३थामोदेव। विश्वस्मादिं२३ तरो२ किंसुबा होस्वंगुरे पृथुशो भुवजाचने। किंश
३३३२३३३३२३३३३२ पानिनस्तो२३ २ त्र्यमोपिरहाकथिं। ३३३३२३३३३२३३३२
३३३२३३३३२३३३३ ३२ पानिनस्तो२३ २ अप्रवीसामिवमामयेशरारुरानि
मदेथमदैवा२३२३थामोदेव। विश्वस्मादिं२३ तरो२ प्रवीसामिवमामयेशरारुरानि ॥२॥
न्यते। स्तो३ ३३३२ ३३३३३२ ३३३३२ हमासिमवीरितो२ ३२ २ पत्रीमस्तसम्बा३ ३३
३३३३३३३२३३३३३२ मदेथमदेवा२३२३थामोदेव। विश्वस्मादिं२३ तरो२ संते
३३३३३३३२३३३३ ३२ तस्या। वीरितो२ ३३
सम्पुरानारीसमनंवाव तिवेयो ३३३२३३३३२

शस्त्रं

रुद्रपत्नी महीयते। ३३३३ ३३३३ ३३३३ मदेथमदेवो३ ३३ थामोदेव। विश्वस्मा

दिंद्र उत्तरो३ इंद्राणीमासु नारिषु सुभगामहमश्रवं नह्यस्या३ ३३३३ ३३३३ ३३३ अ

अपरं चनो३ ३ जरसा मरते पतिः। ३३३३ ३३३३ ३३३३ ३३३३ मदेथमदेवो३ ३ थामोदेवो

विश्वस्मादिंद्र उत्तरो३ नाहमिंद्राणि रारण सख्युर्वृषाकपेर्ऋते। यस्या३ ३३३ ३३३३ ३३३३ ३३३३ ३ इदमप्यं

हवो३ ३ प्रियं देवेषु गच्छति। ३३३३ ३३३३ ३३३३ ३३३३ मदेथमदेवो३ ३३ थामोदेव। विश्वस्मादिंद्र उत्त

रो३ वृषाकपायि रेवति सुपुत्र आदु सुस्नुषे। घसो३ ३३३ ३३३३ ३३३३ ३३३३ त इंद्र उक्षणा३ ३ प्रियं काचित्करं

हविः॥

॥विश्वस्मादिंद्र उत्तरो३ उक्ष्णो हि मे पंचदश सा

कं पचंति विंशतिं। उतो३ ३३३ ३३३३ ३३३३ ३३३३ हमद्मि पीव इदो३ ३ उभा कुक्षी पृणंति मे॥

॥विश्वस्मादिंद्र उत्तरो३ वृषभो न तिग्मशृंगोंतर्यूथेषु रोरुवत्। मंथो३ ३३ ३३

के ३३३३ ३३३३ ३३३३ त इंद्र शं हृदो३ ३ यं ते सुनोति भावयुः।

विश्व

स्मादिंद्र उत्तरो३ न सेशे यस्य रंबतेंतरा सक्थ्या कपृत्। सेदो३ ३३३ ३३३३ ३३३३ ३३३ शे यस्य रोमशो३ ३ निषेदु

षो विजृंभते॥

॥विश्वस्मादिंद्र उत्तरो३ न सेशे यस्य रोमशं निषेदु

षो विजृंभते। सेदो३ ३३३ ३३३३ ३३३३ ३३३ शे यस्य रंबतो३ ३ तरा सक्थ्या कपृत्॥

॥विश्वस्मादिंद्र उत्तरो३ अयमिंद्र वृषाकपिः परस्वंतं हतं विदत्। असो३ ३३ ३३

तेतेदेतेतेतेतेरे स्व मां नवें च य तेते रे आ दे य स्या न आ नि तं ॥
विश्वस्मादिं द्र उ त्त रो ... ममे मि चि न्ना कृ शा द्वि वि चं दा स मा र्य । पि ... ते ते ते रे ते ते ते ते रे ते ते ते ते ... स्ना कु
नो तेरे अ नि धा र म या द्द शं । विश्वस्मादिं द्र उत्तरो रे थु च च य त्र
त त्र स कृ नि स्थि ता वि ध्यो ज मा न दो ते ते ते रे ते ते ते ते रे ते रे ते ते ते ते स्य ल्ली वृ षा क पी ते रे ... म त्ता सो दि ग्व हा त ता ॥
॥ विश्वस्मादिं द्र उत्तरो रे पुं न रो हि त्वृ षा क पे सु वि ता कृ ष्य या स्तु हो यि त्र
ते ते ते रे ते ते ते ते ते रे ते ते ते ते ते व ष र स्य षु ने ष्र नो ... रे ... स मो षि प या पु मः ॥
॥ विश्वस्मादिं द्र उत्तरो रे अ दु द ... ओ वृ षा कृ पे ग् द मि रा ज ग म ना क्व स्या ते ते ते रे ते ते ते ते रे
ते ते ते ते रे पु ल्व घा म्न गा ते रे क मं गा उ न या पि नः । विश्व
स्मादिं द्र उ त्त रो रे पशु दं ना म म मा न व ... स्व ... विश ति भि ... ते ते ते ते रे ते ते ते ते रे ते ते ते रे ... स्य स्या
अ मो ते रे थ स्यो ... द र ... भ य त् । विश्वस्मादिं द्र उत्तरो
इ दं ने ना तु प श्व त ... रा शं स स्व ता वि ष्य त ... स्य मा न वृ ति ... म आ तु ... मि पु द म हा रे ते ... य स्य
... वा ... ओ व ... म तो ... द्र रा ... स्म ... नि ... ही ... द्वि व रे ... स्य रा ... स म
हे श तं नि ... द्र शा स स ज ... णि र ता ... ता ... द स्या द श ... रे ... ... न वो ... ॥२
र तो ... मो ते ... का ... म मा त ... दा ... स ना ... रे ... ... व ... मा ... वी

सी॥ री [illegible] नावा [illegible] मी ३ वच्चास्य [illegible] न वच्चस्वर [illegible] पक्के शकुन॥ नष्ट [illegible] तिकुरा [illegible] नुरि [illegible] रियो। ३ं [illegible]
का [illegible] विश्व। [illegible] न [illegible] मिमे [illegible] य [illegible] स्य व [illegible] धिः सर्वद्द [illegible] मिद्रा [illegible]
ह [illegible] रू [illegible] ३ [illegible] ह [illegible] द [illegible] लो पिश्रा ता निषीदतो इनमा [illegible] गावा [illegible] आसो [illegible] पती रिषतु। [illegible] म मि
[illegible] नं [illegible] स्वनई [illegible] तो यदि [illegible] मानुषं [illegible] मा [illegible] सी [illegible] हृदय [illegible] आयप
त्यतो ३, त्वहृषाद्दं महा [illegible] वं न त्रेम [illegible] मर्या [illegible] सेदि [illegible] स्यो [illegible] निन [illegible] रो ३ [illegible] धाव त [illegible] वि ५
[illegible] समबु [illegible] । [illegible] नो [illegible] मा व [illegible] स [illegible] सो ३ अरं गरा धावदी ति त्रे [illegible] वर [illegible] प्रशे [illegible]
रामपस्य [illegible] तो ३ त्वमिं [illegible] शा [illegible] हं पारा व [illegible] स्या। [illegible] वते व सु [illegible] मही ३ [illegible] मिं [illegible]
हं [illegible] पारा व तो [illegible] १। विश्राय [illegible] ३ कपोताय [illegible] पदाय वं वते। श्यामो कुपक्क पील्लु च वार [illegible]
हो ३ राज्ञो विश्व [illegible] जवीन [illegible] या [illegible] वो [illegible] मार्सु [illegible] पारि [illegible] तो ३ प्रति गर [illegible] ३ था
मा देव। परि [illegible] ने। दें [illegible] म [illegible] मा वरन्तो [illegible] एव [illegible] रस्य। पतिर्वदति [illegible] यो ३ त्रे
शा मा देव। [illegible] तरत [illegible] आहा [illegible] द [illegible] सुतो। [illegible] वि [illegible] तिरा [illegible] दो [illegible] थानो
देव। [illegible] नि [illegible] स्व [illegible] या ३ [illegible] मो देव। एवा
[illegible] तो [illegible] पंजा। निस्तु [illegible] नं तास्या म [illegible] का हरि [illegible] का। हरि [illegible] सएव या।
[illegible] पंश [illegible] रि [illegible] य। [illegible] नं त [illegible] आ [illegible] कं निरवा [illegible]
[illegible] हरिकोनि [illegible] कश्चा [illegible] गायाटि [illegible] निषदान तो नवा निषदनात तो करषी

तथास्तु मे नामलघु मे अस्तु वदाद

ददुर्मिं दनत्। सोऽसिं दत्न कथं दत्न कपर्याकारं भुत्नः ड्डन ॥ शाफ्र नपीवत्रे हतो। आयवनेन तेदनोऽ आदित्याद ह्रो ...

तारं गिरो [illegible] मनयन्त्रो एष्याह जरितराथामोदेवा मो हजेरितर्न प्रत्यायं स्नाम हजरित। मुख्यसु

न्य [illegible] तराथामोदेवरा तो हजरितन त्रैत्यं स्नाम हजरितर्न प्रत्यग्र [illegible] तथा हजरितराथामो

देव। [illegible] हादेन संनविदेतुना नि एषोह जरितराथामोदेवाय ज्ञादेनेसंनपुरा [illegible] तथा [illegible] मोदेव ॥

आदित्यारुद्रा वसवः [illegible] हजरितराथामोदेवो [illegible] राधः सत्यर्ण [illegible] गिरो ३ तथाहजरितराथा

मो [illegible] दंत्र [illegible] देवा [illegible] हजरितराथा मोदेवा [illegible] गृह्णीयतो ३ तथाहजरित

राथामोदेवा [illegible] निर्यविष्ठः [illegible] राथामो देवो [illegible]

तथा [illegible] राथामो [illegible]

[illegible]

[illegible]

धीरालांशम्भ्वताम हंतदपागिति [illegible] अयजंताथो ये स्वपराद्दिः [illegible] दिवमिवगत्वाय मघ

वानो। विरश्चातो ३ योनाको [illegible] अनश्य [illegible] एवो [illegible] अवसा [illegible] सतात कस्येतु

संमितो ३ [illegible] रस्यव। [illegible] सुमितो ३ [illegible]

प्रपाणाच वेशं तारे वा [illegible] दिशयः। [illegible] तानवे स्ये [illegible] तारेवा [illegible] ॥५१॥

प्रदादिशयः। [illegible] सुमि [illegible] भवः।

त्र ना मुद्रस्य यामी तो ना कस्ये पुस मिलोः वा मा ताम्व म विषी स्व स्या वपु धीममः [illegible] यामी तो ता कृत्यो
समिनि ता कृहृ हे ञ्ज ग्रा ग पा गु दंग थ रा ग्र रा ला गु द घ र्स ता अ ला वृ निं जरि त सेथा मा देवा हृदे के ग्राग्रा गु द
ग्र घ रा ग्य या गुं ग्रत त्र्याव ले। ह पा त क्षा जि जरि त स था मो देवा ५ हृ त्रे ग्र गवा गु दे ग्र घरा कुं स्या ली पा को वि
लीय तो पि पीलि का व टो जरि त सो था मो देवा द हृ ग्रा ग मा गु दं ग घरा कुं हि लो पु ष्टि लो ष तो ग्य ठ प
प ला शं जा रि त से था मो देवा नु ग्रि त मि गे स। श्री जरि त से था मो देवा श्प लि ग्य प का तां म ग्र र्ग स्व जरि
त सेथा मो देवा। फ लि हा त्रि भ्रि तः ग्रो शा मो जरि त से थामो दे वा वी मे दं थों ग्रा स त स्यो हि ग्रञ्ज व रा प ला
य ग्र मा ना जरि त रो था मो देवा स्तु सं श्री मि फृ गा वा म स्या सि त्र स्तु दसो हे हो ना वि र मि जरि त रोथा मो देवा
य देवा सो ल जा म गु ग्र विशी मिल मा वि पुं स्व को ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ र दि थत मा रा। २ वा ३ ३
३ र र ३ ३ ३ ३ ३ किम य मिदं मा दो ३ ३ ३ थों ला देवा स त्य स्या दो नु वो य थो ३ व हृ स्या ग्रं हृ म धा। ता पु स्यु ज मु
पा त स ता। मु ष्टो ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ र वि द स्या र ज तो ३ ३ वी ३ वि। ि य मि दं मा दो ३ ३ ३
था मो देवा। नो श पे शा कु जा वि वो ३ य दा स्य शे ल प श्य ग्या लो मु भ्रा तु पा व यो ला। वि थो ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ द
स्यो व स्या व र्ष ता ३ ३ वा ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ वि म यु मिदं मा दो ३ ३ ३ थो मो देवा। सि क ता स्व ग ढ मा ३ ३
म हा न श्री म द्रा म थ था वं त म नु ग्रा य ति। ३ मो ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ स्तु ता स्य गा र द्रो ३ ३ वी ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३
र र स्य र कि मिय। मिदं मा दो ३ ३ ३ था मो दे [illegible] न गी हृ त्र्य वी कृश मी य या। रि थ व

ति॥ अयो ३२३३ ३ ३ ३२ ३ ३ ३ ३ ३ नविमयोमृगो ३ २वी ३ ३ ३ २ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ २ ३ किमियमिदमादोस्य ३ ३ श्री
मो दुवे श्रीह्यो हरनिश्वसि म्नोर्ड महान म्युप्भूतस्य स्यावेशिहिपसा॥ इच्छा ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ फलस्य
हस्यो ३ २वी ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ पञ्जोमहोर्महान ३ खजमतिकामत्व वीतायं
था ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ तत्र वम स्तोता २वी ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ किमयामिदमा हो ३ ३ श्री
मा देवानि द्योततया ममाद मह चैमहो विस्वोमहान ३ ३ ३ ब ३ ॥ म ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३
नि ३ ३ वा ३ २वी ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ किमयामिदमा हो ३ ३ थामीदेवामहना ३ साधुपोदतो
कस्तन सक ३ मुद्यत नो मोदयवखुदतवाजमायो॥ मि ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ यो
तयो ३ २वी ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ किमियामिदमा हो ३ ३ थामोदेवो ३ ३ सबाध ३ ३ सोम ३ ३ ३ यो
यच्छ्रायी ३ जगंतो रामक ३ स्यशात्र वो ३ ३ २वी ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३
३ ३ ३ ३ ३॥ किमयामिदमा हो ३ ३ थामदेवो सवे ३ ३ ३ पाशवो ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ पिङ्गि ३ ३ रथस्य
आजिनतो सुरनितो मु स्वो ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ममा ३ ३ ३ ३ ३ यमदिन॥ प
वित्र ३ ३ ३ ३ दो ३ ३ ३ ३ ३ वामदो ३ ३ ३ ३ ३ यपवते इति ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ वायस्पतिमे ३ ३ स्य
तो ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ स्व धा ३ पवते समु ३ वाचमी ३ ३ ॥ ३ ३ पतीस्य ३ ३ सरवे ३ स्य दि
वो दि ३ ३ ३ ३ ३ ३ हहते ३ ३ या सत्य ३ ॥१५॥
३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ युशवसे ३ पा ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ आपोनि ३ ३ वमवनाहविष्मतो

त्पर्वतेन गोः शीलि दस्येत्।। इंद्रस्य कृत्र्‌भ्राविशीतो हृि दस्यमो ३ श्र सौमा मास्वनम सासम धुरो
भोनमुन्नः भ्रानमयापती ३ यस्य धौ मीम्रवुखुनामे द्रयां श्रो मिश्रक स्पुह रिदोभाम सायूथो
द्रि मिन्त्रथमा माशेकंतावा।। बृहस्पतिशंगिरसो हविष्या ३ द्धिब मा माव्रमे सष्पिसामन भ्रोदे
वृषभो सरवीतो ३ जनना यवि घद्दवतउलाकं।। बृहस्पति देवनतिचिमारा ३ न बृश्नो लिविपुरोदं
ति। जयंन्धूर ज्ञ मित्रान्स्व स्सुसा होन बृहस्पतिः समऊयदस्मू नि। मसोबे ओ नोमतो देवएषो ३ स
नः सिषासंन्वचे १२ जतीन।। बृहस्पति र्हत्यमित्रमर्को ३ श्व वद्र मो श्रीमती मतिश्रृत् ३ इ यानः दोसो
6 शाजिः सहस्रो ३ श्राय नामिंद्रः। शव्याधमंता। अपस्नेहितीर्नमए।। श्र धनो ३ द्रममुपश्यं विजुागे वन
उपकृेनद्यो श्रग्नुमत्यो ३ मभोन स्वमवत। स्थिवांसं।। इष्यामि वो बृषणो युध्यता जो ३ स्थ
स तो अंयुभ्याउ पस्पो। अथ स्यतंन्व। निचिषाण ३ विशो अदेवीरभ्याचरंतीः। बृहस्पतिनायुजे
दः सस्राहा ३ उदप्नुतो नवयो ३ रहमाएाः। वावदतो अभ्रियस्येव घोषाः ३ गिरिभ्रजो मयो मदंतः।
बृहस्पतिमभ्यर्का अनावा ३ संगाविरां गिरसो नक्षमाएाः। भगइवेदर्यमणं निनायो ३ जनो मित्र
दंपती अनक्ति। बृहस्पतेवाजयाशूंरवा जो ३ सीधर्या अतिथिनीरिषिराः स्पार्हाः सुवर्णा अनव
द्यरूपो ३ बृहस्पतिः पर्वतेभ्यो वितूर्या निर्गा उपे यवमिव स्थिविभ्यः। आप्रुषायन्मधुन

स्य योनिं । चय क्रिपुंन के त्रुक्रा मि व घो ३ न्त ह स्यु त्रि कु रं म श्म नो गा न्त स्या तु वे व त्त च व वे दो त्र
प ज्यो ति षा त मो चं त रि न्तु [illegible] शी या न्त मि व वा न न्त्रा जा व ह त स्या वि म नु मृ श्या वृ स स्य [illegible]
व वा त न्ना च क्र आ गा उ य दा तु सु [illegible] य ता ज सु मे त [illegible] ने गो नि को क्षि यो [illegible] नि क्रा य
र्वि मा दृ वा आ वि नि धि [illegible] स्य त र त्रि त यो वि मा न हि र्य द्दी सि ता ना म स्व
री णं स द ने स्तु हा यो रं च्चा उ वु भि चा शं कु त स्या ग र्भा उ कु त्रि या । पू र्व म स्य बी ना जी [illegible] पि न द म
धु प र्य प श्यं त । म त्र्य न दी नं ड द नि च्चि यं ता नि श्च [illegible] न ह दा त [illegible] व्रे शा वि
च त्वा इ सो षा म वि दू म स्य । सो [illegible] म ष ण । वि व वा श्वे त मा सो र [illegible] नि गो व सु षो व स स्या
नि म ज्ञा नं न प र्व लो ज म रो इ हि मे व प लो मु षि ता व ना नि [illegible] नु त स्य म
धु म [illegible] का र्य । या [illegible] वि मा न स्पा नि [illegible] प्र शो
र न्या त मे [illegible] ज्यो ति र [illegible] न्त्रि या या य । पु वी र
वा नो वी न वी ते [illegible] सि नो [illegible] स वा स [illegible] मि गा [illegible] मा इ म त
य : स्वा वि दी । स [illegible] वि श्वा उ शं ती र [illegible] ज पा ता [illegible] य म वी न मू सा
या र न धी [illegible] वे ति म म ने । [illegible] वा ति धि वा हि पि [illegible] ॥६१॥
सु सो [illegible] स्तु ता इ वि ष्ट ह । दि हो थ्य म वे रु वे दो ध । स इ ज [illegible] म द्या वा व र च श र ता र त स्यो दि मे
[illegible]